जय भिक्षु | अर्हम् | जय महाश्रमण

समण संस्कृति संकाय

(A Unit of Jain Vishva Bharati Ladnun Raj.)
पोस्टः लाडनूं-341306 जिलाः डीडवाना-कुचामन (राजस्थान)
मोबाइल व WhatsApp: 9785442373, 9694442373
Email: sss@jvbharati.org, **Web Site:** https://sss.jvbharati.org/

परिप्रत्र -2/2024 दिनांकः 10 अगस्त 2024

सम्मानीय,

दीक्षांत समारोह सूरत-2024 के सहभागीगण

सादर जय जिनेन्द्र,

समण संस्कृति संकाय, जैन विश्व भारती-लाडनूं का एक उपक्रम है। समण संस्कृति संकाय के प्रणेता आचार्यश्री तुलसी के शब्दों में-''बच्चे का निर्माण, परिवार का निर्माण है, समाज का निर्माण है, राष्ट्र का निर्माण है।'' जिस राष्ट्र के बच्चे अनुशासित और चरित्र निष्ठा नहीं होते वह राष्ट्र कभी शक्ति सम्पन्न और गौरवशाली नहीं बन सकता। इसी उद्देश्य को पूरा करने के लिये समण संस्कृति संकाय गतिमान है। संकाय सिर्फ बच्चों को ही नहीं अपितु समाज के हर वर्ग को जैन दर्शन के ज्ञान देनें का कार्य विभिन्न माध्यमों से कर रहा है।

समण संस्कृति संकाय की मुख्य प्रवृत्तियाँ

A. जैन विद्या परीक्षा
B. आगम मंथन प्रतियोगिता
C. सम्यक् दर्शन कार्यशाला
D. साहित्य मंथन प्रतियोगिता

जैन विद्या परीक्षा

- वर्तमान में संचालित शिक्षा प्रणाली में केवल बौद्धिक विकास पर बल दिया जा रहा है। बच्चों को अनुशासन और चारित्रनिष्ठा के संस्कारों से भावित करने के लिये उन्हें अध्यात्म के संस्कार भी देनें आवश्यक है। हमारी बाल पीढ़ी जैनत्व के संस्कारों से जुड़ी रहे, जैन संस्कृति के अनुरूप उनके आचार, विचार, व्यवहार और खान-पान की पवित्रता और शुद्धता बनी रहे, इसके लिये समण संस्कृति संकाय का तंत्र विशेष जागरूकता के साथ परीक्षाओं का आयोजन करता है। केवल भारत में ही नहीं अपितु विदेशों में भी विभिन्न स्थानों पर सैकड़ों केन्द्र स्थापित है, जिनमें हजारों की संख्या में परीक्षार्थी संस्कार निर्माण की दिशा में अग्रसर होते है।
- वर्ष 2023 में कुल 11,904 आवेदन प्राप्त हुए थे। जिनमें से 8,893 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी। 8,260 परीक्षार्थी उत्तीर्ण हुए। सभी परीक्षार्थियों के आध्यात्मिक विकास की मंगलकामना।
- जैन विद्या परीक्षा के संयोजक डॉ. विजय संचेती, माधवनगर (मो. 8793130616) है।
- जैन विद्या परीक्षा से संबंधित परिणाम एवं जानकारी समण संस्कृति संकाय की वेबसाईट https://sss.jvbharati.org/ पर प्राप्त की जा सकती है। विस्तृत जानकारी के लिये समण संस्कृति संकाय के लाडनूं कार्यालय मो. **9785442373, 9694442373, 9784762373** पर संपर्क कर सकते है। इसके अलावा आप निम्नलिखित सह-संयोजकों से संपर्क कर जानकारी प्राप्त कर सकते है।

- श्रीमती प्रेमलता सिसोदिया, मुम्बई (महाराष्ट्र) मो.9833154391
- श्रीमती ललिता धारीवाल, रायपुर (छत्तीसगढ़) मो.9826358200
- श्रीमती राजश्री पुगलिया, कालीकट (केरल) मो.8606563040
- श्रीमान दिनेश गर्ग, कालांवाली (हरियाणा) मो-9416047440
- श्रीमती कीर्ति बेगानी, काठमाडूं (नेपाल) मो.977-9851021457
- श्रीमती सुशीला गोलछा, दिल्ली मो.9891459910
- श्रीमती विमला कोठारी, गदग (कर्नाटक) मो.9886264662
- श्रीमान प्रवीण कुमार सुराणा, कोलकाता (प.बं.) मो 9330887873
- श्रीमती राजकुमारी सुराणा, कोलकाता (प.बं.) मो 9239711822
- श्रीमान राजेन्द्र बेंगानी, दूबई (यू.ए.ई.) मो.971-506523025

झलकियां जैन विद्या परीक्षा-2023

- वर्ष 2023 परीक्षाओं के व्यवस्थित नियोजन में संयोजक, सह-संयोजक, प्रभारी, सह-प्रभारी, आंचलिक संयोजक, सह-आंचलिक संयोजक, केन्द्र व्यवस्थापक, सह-केन्द्र व्यवस्थापक, निरीक्षक एवं क्षेत्रीय सभाओं का विशेष सहयोग रहा। एतदर्थ सभी के प्रति हार्दिक आभार-

जैन विद्या पाठ्यक्रम व परीक्षा शुल्क विवरण-2024

जैन विद्या कोर्स नाम	पुस्तक कीमत	संस्करण	परीक्षा शुल्क 20 सितम्बर तक	विलम्ब सहित शुल्क 21 से 30 सितम्बर तक
जैन विद्या भाग-1 हिन्दी	60/-	2023	100/-	150/-
जैन विद्या भाग-1 अंग्रेजी	-	PDF Available Only	-	-
जैन विद्या भाग-2 हिन्दी	80/-	2023	100/-	150/-
जैन विद्या भाग-2 अंग्रेजी	-	PDF Available Only	-	-
जैन विद्या भाग-3 हिन्दी	120/-	2022	100/-	150/-
जैन विद्या भाग-3 अंग्रेजी	-	PDF Available Only	-	-
जैन विद्या भाग-4 हिन्दी	100/-	2023	100/-	150/-
नवीन श्रावक प्रतिक्रमण- हिन्दी	40/-			
जैन विद्या भाग-4 अंग्रेजी	-	PDF Available Only	-	-
नवीन श्रावक प्रतिक्रमण- अंग्रेजी	-			
जै.वि.भाग-5 जैन तत्त्व विद्या खण्ड-1	50/-	2021	150/-	200/-
जै.वि.भाग-5 जैन परम्परा का इतिहास	140/-			
जै.वि.भाग-6 जैन तत्त्व विद्या खण्ड 2–3	80/-	2023	150/-	200/-
जै.वि.भाग-6 श्रावक संबोध (आचार्य तुलसी)	150/-	2021		
जै.वि.भाग-7 भिक्षु विचार दर्शन	220/-	2022	150/-	200/-
जै.वि.भाग-7 जीव-अजीव	150/-	2021		
जै.वि.भाग-8 श्रमण महावीर अध्याय 1 से 46	220/-	2021	200/-	300/-
जै.वि.भाग-8 जैन दर्शन मनन और मीमांसा (आचार मीमांसा)	160/-	2023		
जै.वि.भाग-9 आचार्य भिक्षु	280/-	2023	200/-	300/-
जै.वि.भाग-9 जैन दर्शन मनन और मीमांसा (ज्ञान मीमांसा)	160/-			
जैन विद्या भाग 1–2 हिन्दी	उपरोक्त लिखे अनुसार	2023	150/-	200/-
जैन विद्या भाग 1–2 अंग्रेजी	-	PDF Available Only	150/-	200/-
जैन विद्या भाग 3–4 हिन्दी	उपरोक्त लिखे अनुसार	उपरोक्त लिखे अनुसार	200/-	300/-
जैन विद्या भाग 3–4 अंग्रेजी	-	PDF Available Only	200/-	300/-
जैन विद्या भाग -5 प्रवेश, हिन्दी (भाग1–4)	उपरोक्त लिखे अनुसार	उपरोक्त लिखे अनुसार	200/-	300/-
जैन विद्या भाग -5 Ent. अंग्रेजी (भाग1–4)	-	PDF Available Only	200/-	300/-

परीक्षा उत्तीर्णांक विवरण

जैन विद्या भाग-1 से 4 तक की ऑनलाइन परीक्षा के उत्तीर्णांक

उत्तीर्ण – 40%
तृतीय श्रेणी – 40.01 - 50%
द्वितीय श्रेणी – 50.01 - 65%
प्रथम श्रेणी – 65.01 - 80%
विशेष योग्यता – 80.01 - 100%

जैन विद्या भाग 1–2 व 3–4 संयुक्त की ऑनलाइन परीक्षा के उत्तीर्णांक

उत्तीर्ण – 50%
तृतीय श्रेणी – 50.01 - 60%
द्वितीय श्रेणी – 60.01 - 70%
प्रथम श्रेणी – 70.01 - 80%
विशेष योग्यता - 80.01 - 100%

जैन विद्या भाग-5 प्रवेश की ऑनलाइन परीक्षा के उतीर्णांक

उत्तीर्ण	– **60%**
तृतीय श्रेणी	– **60.01 - 70%**
द्वितीय श्रेणी	– **70.01 - 80%**
प्रथम श्रेणी	– **80.01 - 90%**
विशेष योग्यता	–**90.01-100%**

जैन विद्या भाग-5 से 7 तक की ऑनलाइन परीक्षा के उत्तीर्णांक
(सेंटर में जाकर परीक्षा देना अनिवार्य)

उत्तीर्ण	– **50%**
तृतीय श्रेणी	– **50.01 - 60%**
द्वितीय श्रेणी	– **60.01 - 70%**
प्रथम श्रेणी	– **70.01 - 80%**
विशेष योग्यता	– **80.01 - 100%**

जैन विद्या भाग-8 से 9 तक की ऑफलाइन परीक्षा के उतीर्णांक
(सेंटर में जाकर परीक्षा देना अनिवार्य)

उत्तीर्ण	– **60%**
तृतीय श्रेणी	– **60.01 - 70%**
द्वितीय श्रेणी	– **70.01 - 80%**
प्रथम श्रेणी	– **80.01 - 90%**
विशेष योग्यता	– **90.01 - 100%**

परीक्षा पैटर्न-2024

- जैन विद्या भाग- 1, 2, 3, 4, 5, 6, 7 एवं 1&2, 3&4, 1 to 4 हिन्दी, तथा भाग- 1, 2, 3, 4, 1&2, 3&4, 1 to 4 अंग्रेजी की परीक्षा ऑनलाइन माध्यम से होगी। जैन विद्या भाग-5 से भाग-7 तक की परीक्षा ऑनलाईन केन्द्र में जाकर देनी अनिवार्य होगी।
- जैन विद्या भाग-8 व 9 की परीक्षा ऑफलाइन केन्द्र में जाकर देनी है।
- विदेश में सभी भागों की परीक्षा ऑनलाइन होगी। सभी भागों में प्रश्नों की संख्या 100 रहेगी तथा पूर्णांक 100 रहेगें।
- स्वाध्याय ग्रुप ऑनलाइन प्रारंभ हो चुके है। भाग-2 से भाग-9 के स्वाध्याय ग्रुप से जुड़नें के लिए संकाय कार्यालय लाडनूं मो. **9784762373, 9694442373, 9785442373** से सम्पर्क करें। कार्यालय से ही परीक्षार्थी को स्वाध्याय ग्रुप से जोड़ा जायेगा।
- जैन विद्या भाग-1, 1&2, 3&4, 1 to 4 हिन्दी तथा जैन विद्या भाग-1, 1&2, 3&4, 1 to 4 अंग्रेजी के ग्रुप से जुड़नें के लिए लिंक भेजा जायेगा। बाकी कक्षाओं के लिए कार्यालय द्वारा जोड़ा जायेगा। अतः कार्यालय से सम्पर्क करें।
- **परीक्षा शनिवार, दिनांक 09 नवम्बर एवं रविवार 10 नवम्बर, 2024 को होगी। Time Table की जानकारी बाद में प्रेषित कर दी जायेगी।**
- मॉक टेस्ट **(Mock Test)** के प्रश्न-पत्र प्रत्येक 30 से 45 दिनों के अंतर से बदले जायेगें।
- **Online** परीक्षा **"संबोधि ई-लाईब्रेरी ऐप्प"** के माध्यम से होगी।
- **पुस्तक प्राप्ति स्थल**- आदर्श साहित्य विभाग, लाडनूँ। सम्पर्क सूत्र- **मो. 8742004849**
- जैन विद्या परीक्षा के फॉर्म भरने शुरू हो चुके है। अंतिम तिथि 20 सितम्बर 2024 एवं लेट फीस सहित- 30 सितम्बर 2024 रहेगी।
- **Enrollment No. – 2023** वाले ही रहेगें तथा नये परीक्षार्थियों के **Enrollment No.** नये मिलेगें।
- प्रश्न-पत्र **Online/Offline** का पैटर्न अलग-अलग रहेगा।

- **Offline** पैटर्न में **60** प्रश्न **Objective** तथा **10** प्रश्न लिखित (प्रत्येक लिखित प्रश्न **4** नंबर का) होगें। कुल **70** प्रश्न रहेंगे। परीक्षा का समय **2** घण्टा रहेगा।
- **Online** पैटर्न में तीन प्रकार के प्रश्न रहेगें- **(Objective, Fill in the Blank or True-False.)** कुल **100** प्रश्न रहेंगे। परीक्षा का समय **1** घण्टा होगा।

जैन विद्या परीक्षा नया कोर्स-2025

जैन विद्या परीक्षा के कोर्स की समीक्षा की मांग बहुत दिनों से चल रही थी। हर्ष के साथ आपको सूचित कर रहे हैं कि आपकी बहु प्रतीक्षित मांग को स्वीकारते हुए **2025** से जैन विद्या भाग **1, 2, 3, 4, 1-2, 3-4, 1-4** (हिन्दी व अंग्रेजी) की परीक्षा नए कोर्स के साथ होगी। नए कोर्स की जानकारी जैन विद्या परीक्षा **2024** की समाप्ति के पश्चात् दी जाएगी।

आगम मंथन प्रतियोगिता

आगम मंथन प्रतियोगिता के संयोजक श्रीमान गौतमचंद डागा, चैन्नई व सह-संयोजिका श्रीमती मंगला कुण्डलिया, दिल्ली और श्रीमती हेमलता नाहटा, उदयपुर है। श्रीमती राजश्री डागा, चैन्नई का भी निरंतर सहयोग प्राप्त होता रहता है। वर्ष **2023** एवं **2024** की प्रतियोगिता **''उत्तरज्झयणाणि''** (उत्तराध्ययन) आगम पर आधारित है। **2023** में आगम ग्रंथ के **1** से **20** अध्याय पर आधारित **Online** & **Offline** प्रतियोगिता हुई। प्रथम चरण में **2,644** परीक्षार्थियों ने इसमें अपनी सहभागिता दर्ज करायी। जिसमें से **560** परीक्षार्थियों ने द्वितीय चरण में प्रवेश प्राप्त किया। द्वितीय चरण में **244** परीक्षार्थियों ने ऑनलाईन परीक्षा दी।

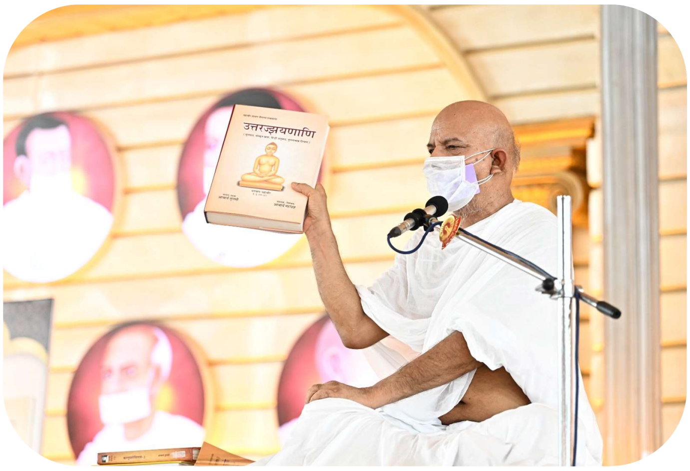

वर्ष **2024** की आगम मंथन प्रतियोगिता भी **''उत्तरज्झयणाणि''** (उत्तराध्ययन) आगम के अध्याय **21** से **36** पर आधारित होगी। प्रथम चरण परीक्षा **Online** & **Offline** दोनों माध्यम से होगी। तारीख की सूचना आपको शीघ्र दी जायेगी।

आगम मंथन प्रतियोगिता में मुनिश्री मननकुमारजी का निरंतर मार्गदर्शन प्राप्त होता रहता है। मुनिश्री के प्रति हार्दिक कृतज्ञता। **2023-2024** दोनों वर्षों के आगम मंथन प्रतियोगिता के प्रायोजक भंवरलाल रायकंवरी बच्छावत विद्या विकास निधि कोष, बैंगलुरू है। आपके प्रति हार्दिक आभार।

साहित्य मंथन प्रतियोगिता

2023 साहित्य मंथन प्रतियोगिता के संयोजक श्रीमान गौतमचन्द डागा, चैन्नई एवं सह-संयोजिका श्रीमती प्रेम सेखानी बेंगानी, नोएडा थे। श्रीमती राजश्री डागा, चैन्नई से भी निरन्तर सहयोग मिलता रहता है। वर्ष **2023** साहित्य मंथन के लिए पुस्तक **Body & Soul (English)** अंग्रेजी संस्करण का चयन हुआ जिसमें कुल **150** परीक्षार्थियों ने रजिस्ट्रेशन किया। इसके प्रथम चरण में कुल **84** परीक्षार्थी उत्तीर्ण हुए व द्वितीय चरण में कुल **71** परीक्षार्थी उत्तीर्ण हुए।

वर्ष **2024** से यह प्रतियोगिता समण संस्कृति संकाय एवं साहित्य विभाग के साथ संयुक्त रूप से होने का निर्णय हुआ है।

इस वर्ष के लिए **आचार्यश्री** महाप्रज्ञजी द्वारा लिखित :-

Manage Your Emotions (English) पुस्तक पर हुई।

सम्यक् दर्शन कार्यशाला

(पूर्व में जैन विद्या कार्यशाला)

समण संस्कृति संकाय एवं अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद् के संयुक्त तत्वावधान में आचार्य प्रवरों की प्रेरक और ज्ञानवर्धक कृतियों पर आधारित सम्यक् दर्शन कार्यशाला-**2024** में **15**वें वर्ष आयोजित की जाएगी। वर्ष **2023** में सम्यक दर्शन कार्यशाला आचार्यश्री महाप्रज्ञजी की कृति **''शरीर और आत्मा''** पर आयोजित की गई। जिसकी परीक्षा **10** सितम्बर **2023** को संबोधि ऐप्प के माध्यम से ऑनलाइन आयोजित हुई। इसमें कुल **6852** स्वाध्यायियों ने स्वाध्याय किया, **5006** लोगों ने रजिस्ट्रेशन किया और कुल **4002** परीक्षार्थियों ने परीक्षा में भाग लिया।

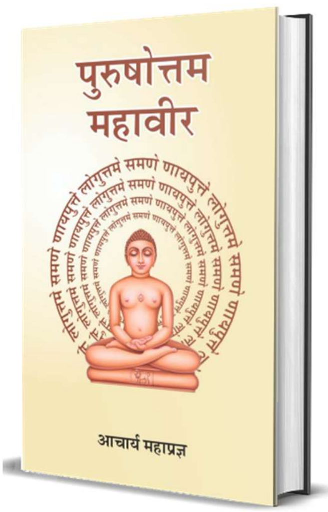

भगवान महावीर के **2550**वें निर्वाण वर्ष के अवसर पर **2024** में आचार्य श्री महाप्रज्ञ जी की पुस्तक **''पुरुषोत्तम महावीर''** का चयन स्वाध्याय हेतु हुआ है। लोकोत्तम श्रमण महावीर के गुणों और सिद्धांतों को आत्मसात कर कैसे प्रत्येक व्यक्ति स्वयं महावीर बन सिद्ध, बुद्ध, मुक्त होकर बंधनों और दुःखों का नाश कर सकता है, यह इस पुस्तक से ज्ञात होगा। पुस्तक का स्वाध्याय **03** जून **2024** से प्रारम्भ हुआ है। चातुर्मासिक क्षेत्रों में स्थानीय स्तर पर चारित्रात्माओं के सान्निध्य में **15** दिवसीय कार्यशाला का आयोजन **31** जुलाई **2024** से **14** अगस्त **2024** तक होगा, इस अवधि में स्थानीय स्तर पर पुस्तक का स्वाध्याय करवाया जाएगा। परीक्षा **31** अगस्त **2024** को भारत और विदेश में संबोधि ई-लाइब्रेरी ऐप्प पर ऑनलाईन होगी।

सम्यक् दर्शन कार्यशाला में संकाय की ओर से संयोजक श्री पुखराज डागा (दिल्ली), सह-संयोजक श्री राजेश दुगड़ (दिल्ली) और सह-संयोजिका श्रीमती स्नेहलता चौरड़िया (दिल्ली) है।

संकाय एवं अ.भा.ते.यु.प. के पदाधिकारियों, प्रभारियों एवं संयोजकों के प्रति हार्दिक आभार। सम्यक दर्शन कार्यशाला की प्रेरणा हेतु मुनिश्री कीर्तिकुमारजी एवं मुनिश्री योगेशकुमारजी के प्रति अनंत कृतज्ञता।

ऑनलाईन स्वाध्याय

जैन विद्या के सभी भागों की परीक्षाओं की तैयारी के लिए संकाय द्वारा ऑनलाईन स्वाध्याय करवाया जाता है। इसके संयोजक श्री सुशील बाफना, कोलकाता व सह-संयोजक श्री राजेन्द्र बेंगानी, दुबई हैं। जैन विद्या परीक्षा 2023 का स्वाध्याय करीब 30 WhatsApp ग्रुप के माध्यम से 55 प्रशिक्षकों ने दिन-रात अपनी सेवाऐं देकर लगभग 12,000 ज्ञानार्थियों को स्वाध्याय करवाया।

वर्ष 2024 के लिए जैन विद्या भाग-1, 1-2, 3-4, 1-4 हिन्दी और अग्रेंजी स्वाध्याय ग्रुपों के लिंक सभी जगह भेजे जा रहे हैं। जैन विद्या भाग-2 से 9 तक स्वाध्याय ग्रुपों से जुड़नें के लिए लाडनूं कार्यालय मो. नं. 9673987792, 9785442373, 9694442373 पर सम्पर्क करें। सभी के प्रति हार्दिक आभार।

संपोषण योजना

समाज के सहयोग से ही उपरोक्त समस्त आध्यात्मिक गतिविधियों को पोषण मिलता है। कोई भी व्यक्ति अपने जन्मदिन, वैवाहिक वर्षगांठ आदि विशेष अवसरों पर तथा अपने स्वजनों की स्मृति में सहयोगी बनकर इस शैक्षणिक गतिविधि के संपोषण में सहयोगी बन सकते है। इस कार्य में केन्द्र व्यवस्थापक, सह-केन्द्र व्यवस्थापक महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। आप अपने क्षेत्रों से (छोटे क्षेत्र 5000/- एवं बड़े क्षेत्रों से 20,000/- से 1,00,000/- रूपये प्रति वर्ष का) अनुदान संग्रह करके समण संस्कृति संकाय को आत्म निर्भर बना सकते हैं। रामसेतु के निर्माण में गिलहरी के सहयोग का जो महत्त्व मंडित किया जाता है, इस अध्यात्म सेतु (समण संस्कृति संकाय) के संपोषण में आपकी भी वही भूमिका भावी पीढ़ी को प्रेरणा देगी।

- इस वर्ष जैन विद्या पुरस्कार-2023 प्राप्तकर्ता श्रीमती प्रेमलता सिसोदिया, मुम्बई द्वारा 1,51,000/- की राशि संपोषण योजना में दी गई।
- श्रीमती मंजू जैन, सांताक्रुज, महाराष्ट्र द्वारा 11000/- की राशि संपोषण योजना में दी गई।
- लाडनूं में राजस्थान, दिल्ली एवं एन.सी.आर की कार्यशाला- 2024 में संपोषण योजना के अंतर्गत-अनुदान राशि की घोषणा की है।
  1. श्रीमान पुखराज डागा, दिल्ली ने अपनी 25वीं शादी की सालगिरह के उपलक्ष में 25000/-
  2. श्रीमती सज्जन देवी गिड़ीया, दिल्ली 21000/-
  3. श्रीमान प्रवीण कुमार सुराणा, कोलकाता ने अपनी शादी की 50वीं वर्षगांठ के उपलक्ष में 21000/-
  4. श्रीमती सरिता बरड़िया, जयपुर 11000/-
  5. डॉ. आरती बोथरा कोचर, नोएडा, उत्तरप्रदेश 11000/-
  6. श्रीमती प्रेम बेगानी सेखानी, नोएडा, उत्तरप्रदेश 11000/-

आप सभी के प्रति हार्दिक आभार।

संपोषण योजना की प्रभारी श्रीमती डॉ. आरती बोथरा कोचर, नोएडा है।

संकाय बैंक जानकारी निम्न प्रकार है-

ACCOUNT NAME: JAIN VISHVA BHARATI A/C SAMAN SANSKRITI SANKAY
ACCOUNT NUMBER: **10272191061505**
IFSC CODE: **PUNB0102710**
MICR CODE: **341024010**
BANK NAME: PUNJAB NATIONAL BANK (CBS)
BRANCH: LADNUN

सम्पूर्ण देश-विदेश में (Zoom App) से क्षेत्रीय कार्यशालाओं का आयोजन

जैन विद्या परीक्षा एवं आगम के लिए करीब **30** से ज्यादा कार्यशालाओं का भारत व नेपाल में जूम एप्पलीकेशन **(Zoom App)** के माध्यम से आयोजन हुआ। इसमें सभी संयोजक, सह-संयोजक, प्रभारी, सह-प्रभारी, आंचलिक संयोजक, सह-आंचलिक संयोजक, केन्द्र व्यवस्थापक, सह-केन्द्रव्यस्थापक और आगम सहयोगी की सहभागिता रही। सभी महानुभावों के प्रति हार्दिक आभार।

क्षेत्रीय कार्यशाला राजस्थान, दिल्ली एवं एन.सी.आर.

श्रीमती सरिता बरड़िया-प्रभारी (राजस्थान), श्रीमती सज्जन देवी गिड़ीया- प्रभारी (दिल्ली एवं एन.सी.आर) एवं श्रीमती पूनम तलेसरा सह-प्रभारी (राजस्थान) की पहल पर राजस्थान, दिल्ली एवं एन.सी.आर की दो दिवसीय कार्यशाला **17/18** मई **2024** को जैन विश्व भारती परिसर, लाडनूं के सुरम्य वातावरण में आयोजित की गई। कार्यशाला में श्रीमान मालचंद बेगानी (विभागाध्यक्ष), डॉ. विजय संचेती (संयोजक, जैन विद्या परीक्षा), श्री पुखराज डागा (संयोजक, सम्यक् दर्शन कार्यशाला), श्री प्रवीण कुमार सुराणा (सह संयोजक, जैन विद्या परीक्षा पूर्वोत्तर राज्य एवं संयोजक दीक्षांत समारोह-2024, सूरत), श्रीमती राजश्री पुगलिया (सह-संयोजिका जैन विद्या, केरल, आंध्र प्रदेश) श्री राजेश दुगड़ (सह-संयोजक, सम्यक् दर्शन कार्यशाला), श्रीमती सरिता बरड़िया (प्रभारी, राजस्थान), श्रीमती सज्जन देवी गिड़ीया (प्रभारी, दिल्ली-एन.सी.आर), श्रीमती विमला डागलिया (प्रभारी, महाराष्ट्र) श्री प्रवीण मेड़तवाल (प्रभारी, साउथ गुजरात), श्री संजीव छाजेड़ (प्रभारी नॉर्थ गुजरात), श्रीमती पुनम तलेसरा (सह-प्रभारी, राजस्थान) श्रीमती प्रेम सुराणा (आगम प्रभारी, पश्चिम बंगाल), श्रीमान प्रकाश बैद मुथा (आंचलिक संयोजक, बालोतरा), श्रीमान मनीष मालू (आंचलिक संयोजक, सूरत) साथ ही केन्द्र व्यवस्थापक, सह-केन्द्रव्यवस्थापक एवं विशेष अतिथियों सहित 55 सहभागियों ने अपनी गरिमामय उपस्थिति दर्ज करायी।

जै.वि.भा. लाडनूं के मनमोहक परिसर में स्थित इंटरनेशनल प्रेक्षाध्यान केन्द्र के अर्हम सभागार में 17 मई प्रातः मंगलाचरण एवं जैन विद्या गीतिका के संगान से कार्यशाला का शुभारम्भ हुआ।

- श्री मालचंदजी बेगानी ने स्वागत भाषण से सभी अतिथियों का स्वागत किया।
- कार्यशाला के बैनर का अनावरण जैन विश्व भारती के परामर्शक श्री भागचंदजी बरड़िया, श्री मालचंद बेगानी, डॉ. विजय संचेती, श्री पुखराज डागा, श्री प्रवीण कुमार सुराणा, श्री राजेश दुगड़ आदि विशिष्ट कार्यकर्ताओं द्वारा किया गया।
- परिचय सत्र में सभी आगंतुकों ने अपना-अपना परिचय दिया।
- जैन विश्व भारती यूनिवर्सिटी सम्बंधित जानकारी दूरस्थ शिक्षा निदेशक श्री आनन्द प्रकाश त्रिपाठी ने दी।
- जैन विश्व भारती की अन्य गतिविधियों की जानकारी कार्यालय सचिव विजयश्री शर्मा ने दी।
- पदाधिकारियों ने जैन विद्या, आगम-मंथन, सम्यक् दर्शन कार्यशाला, साहित्य मंथन, संपोषण योजना, दीक्षांत समारोह-सूरत पर अपने विचार प्रस्तुत किये।
- मुनिश्री रणजीत कुमार जी एवं मुनिश्री जयकुमारजी का प्रेरणा पाथेय प्राप्त हुआ।
- **अंतिम सत्र-** जिज्ञासा-समाधान एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम से सम्पन्न हुआ।
- द्वितीय दिवस का प्रारम्भ प्रेक्षाध्यान एवं योगासन से हुआ।
- समणी कुसुमप्रज्ञाजी का पाथेय प्राप्त हुआ।
- शासन गौरव साध्वीश्री कल्पलताजी का भी मार्गदर्शन प्राप्त हुआ।
- संपोषण योजना के विषय में श्री प्रवीण कुमार सुराणा ने जानकारी दी।
- पदाधिकारियों ने आगम मंथन, सम्यक् दर्शन कार्यशाला-पुस्तक पुरुषोत्तम महावीर, आदि पर अपने विचार प्रस्तुत किये।

- श्री संजीव छाजेड़ ने संबोधि ई-लाईब्रेरी ऐप्प एवं अन्य तकनीकी विषय की जानकारी दी।
- **2026** गुरुदेव चातुर्मास, लाडनूं में **संकाय कार्यकर्ताओं द्वारा कैसे सक्रिय भूमिका निभायें** विषय पर श्री पुखराज डागा ने अपने विचार प्रस्तुत किये।
- कार्यशाला में पधारें सभी अतिथियों का साहित्य एवं सर्टिफिकेट से सम्मान किया।
- संपोषण योजना के तहत विभिन्न पदाधिकारियों द्वारा अनुदान राशि की घोषणा की गई।
- श्रीमान पुखराज डागा ने सभी पदाधिकारियों, सभी अतिथियों, जैन विश्व भारती के पदाधिकारियों, संकाय कार्यालय एवं साहित्य विभाग के कार्यरत व्यक्तियों के प्रति आभार प्रकट किया।
- सभी क्षेत्रीय सह-संयोजक, प्रभारी से निवेदन है कि आप भी क्षेत्रीय कार्यशालाओं का आयोजन कर कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ाये।

दीक्षांत समारोह

1. वर्ष **2023** का दीक्षांत समारोह मुम्बई चार्तुमास में आयोजित हुआ, जिसमे लगभग **550** प्रतिभागी तथा संकाय के पदाधिकारियों ने भाग लिया। **23**वां दीक्षांत समारोह के संयोजक श्रीमान प्रवीण कुमार सुराणा, कोलकाता थे। दीक्षांत समारोह में यदि आपको कोई असुविधा हुई हो तो मैं क्षमाप्रार्थी हूं।
2. मुम्बई दीक्षांत समारोह को सफल बनाने मे श्रीमती प्रेमलता सिसोदिया, श्रीमती विमला डागलिया, श्रीमान रमेश डागलिया का विशेष सहयोग रहा।
3. वर्ष **2023** जैन विद्या परीक्षा के प्रायोजक श्रीमान धर्मेन्द्र सिंह-जयंत सिंह महनोत, झारसुगड़ा, उड़िसा थे। आप सभी के प्रति आभार।
4. वर्ष **2024** का **24**वां दीक्षांत समारोह दिनांक **12, 13** व **14** अगस्त को सूरत चार्तुमास स्थल में आयोजित हो रहा है। इसके संयोजक श्रीमान प्रवीण कुमार सुराणा, कोलकाता मो. **9330887873** है।
5. वर्ष **2024** के जैन विद्या परीक्षा के प्रायोजक भंवरलाल रायकंवरी बच्छावत विद्या विकास निधि कोष, बैंगलुरू है। आपके प्रति हार्दिक आभार।

जैन विद्या पुरस्कार-2023 श्रीमती प्रेमलता सिसोदिया, मुम्बई

जैन विश्व भारती द्वारा संचालित एवं महादेव लाल सरावगी ट्रस्ट द्वारा प्रायोजित जैन विद्या पुरस्कार-2023 श्रीमती प्रेमलता सिसोदिया को आचार्यप्रवर के पावन सानिध्य में 24 नवंबर 2023 को मुम्बई चार्तुमास दौरान प्रदान किया गया। समण संस्कृति संकाय परिवार की ओर से आपको शुभकामनाएँ।

जैन विश्व भारती की गतिविधियों की संक्षिप्त जानकारी

- **विद्यालय**-शिक्षा का जैन विश्व भारती में महत्त्वपूर्ण स्थान है। इस उपक्रम के अन्तर्गत वर्तमान में तीन विद्यालयों का संचालन क्रमशः लाडनूं, जयपुर, टमकोर में किया जा रहा है। तीनों ही विद्यालय CBSE से सम्बधता प्राप्त है एवं नर्सरी से कक्षा 12th तक संचालित हैं। अधिक जानकारी के लिए वेबसाइट विजिट करें।
  https://vvvschool.com

  Mahapragya International School (misjaipur.com)

  Mahapragya International School (mistamkor.com)

- **विश्वविद्यालय**- जैन विश्वभारती मान्य विश्वविद्यालय की गतिविधियों का संचालन मातृ संस्था के रूप में किया जा रहा है। https://jvbi.ac.in/
- **साहित्य विभाग**-आदर्श साहित्य विभाग - जैन विश्वभारती के सप्त सकार में साहित्य सकार भी अति महत्त्वपूर्ण है। इस प्रकार की मौलिकता में साहित्य अति महत्त्वपूर्ण है। इस प्रकार की मौलिकता में साहित्य का भंडारण संस्थान की गौरव गारिमा को शतगुणित करता है।

  जैन विश्वभारती का साहित्य भौतिक रूप से व ई-बुक के रूप में भी उपलब्ध है। संबोधि ई-लाईब्रेरी ऐप्प के माध्यम से भी पढ़ सकते हैं और यह विभिन्न प्रारूपों- मीशो, फ्लिपकार्ट, अमेजॉन पर भी इनकी पुस्तकें उपलब्ध हैं।
  https://books.jvbharati.org/
- **पुरस्कार**- समन्वय प्रवृत्ति के अन्तर्गत जैन विश्वभारती के अन्तर्गत नौ पुरस्कारों का संचालन किया जाता है। जिसके अन्तर्गत साहित्य पुरस्कार, जैन विद्या पुरस्कार, आगम मनीषा पुरस्कार, संघ सेवा पुरस्कार इत्यादि का संचालन किया जाता है।
- **प्रेक्षाध्यान**- प्रेक्षाध्यान के अन्तर्गत जैन विश्व भारती में **आचार्यश्री तुलसी अन्तर्राष्ट्रीय प्रेक्षाध्यान केन्द्र** में प्रति माह आवासीय शिविरों का आयोजन होता है। **प्रेक्षा फाउंडेशन** के अन्तर्गत प्रेक्षा वाहिनियों, प्रेक्षा केन्द्रों, प्रेक्षा प्रशिक्षक कार्यक्रमों, कार्यशालाओं आदि का आयोजन किया जाता है। -https://www.preksha.com/
- **सेवाभावी आयुर्वेदिक रसायनशाला**- शुद्धता व प्रमाणिकता के लिए प्रसिद्ध सेवाभावी आयुर्वेदिक रसायनशाला द्वारा 300 से अधिक प्रकार की औषधियां शास्त्रीय विधियों के द्वारा निर्मित की जा रही है। अधिक जानकारी के लिए वेबसाइट – https://sevabhavi.in

- **आचार्य महाप्रज्ञ मेडिकल कॉलेज ऑफ नेचुरोपैथी एण्ड योगा** का संचालन जैन विश्वभारती मान्य विश्वविद्यालय के अन्तर्गत किया जा रहा है। जहां पर प्रकृति के सुंदर वातावरण में उपचार प्राप्त किया जा सके।
  Acharya Mahaprajna Naturopathy Center, JVBI, Ladnun, Rajasthan – Naturopathy Hospital
- **चित्त समाधि केन्द्र**- आचार्य प्रवर के इंगित अनुसार एक ऐसा प्रकल्प तैयार किया गया है, जहां पर 50 वर्ष से अधिक उम्र के व्यक्ति अपने जीवन को एक नवीन दिशा प्रदान कर सकते हैं। नियमित दिनचर्या में आने वाला साधक अपने आप को स्वस्थ महसूस करता है। सम्पर्क सूत्र-**9929167985**
- **पारमार्थिक शिक्षण संस्थान** - चारित्र निर्माण में पारमार्थिक शिक्षण संस्था उत्कृष्ठ उदाहरण है। जहां आचार्य प्रवर के आध्यात्मिक निर्देशन में मुमुक्षु बहनों में त्याग और तप के संस्कार सिंचित कर तराशा जाता है। संस्था ने कई महान् विभूतियों का निर्माण किया है।
- **सेवाकेन्द्र (भिक्षु विहार व अहिंसा भवन)**-तेरापंथ धर्मसंघ के वृद्ध साधु-संतों की चाकरी वाले साधु पूरे मनोभाव से सेवा करते हैं। साध्वीश्री जी-अमृतायन में व समणीजी-गौतम ज्ञानशाला में प्रवास करते हैं। जैन विश्व भारती में वर्षभर चारित्रात्माओं का प्रवास रहता है। साधु-साध्वियों का सेवा-दर्शन लाभ परिसर को मिलता रहता हैं।
- **आवास सुविधा**- साधु-साध्वियों के नातिले एवं अन्य सेवार्थी भाई-बहिनों के लिए परिसर में उत्तम आवास सुविधाएं उपलब्ध हैं। सम्पर्क सूत्र- **6377903834**

लाडनूं चातुर्मास योगक्षेम वर्ष- 2026

2026 का आचार्य प्रवर का चातुर्मास जैन विश्व भारती, लाडनूं के परिसर में घोषित है। यह चातुर्मास योगक्षेम वर्ष के रूप में मनाया जायेगा। समण संस्कृति संकाय इस चातुर्मास में अपने पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर अपनी सक्रिय सहभागिता निभाना चाहता है। इस कार्य को संपादन करने के लिये संकाय ने योगक्षेम भवन में 4 कमरे बुकिंग करने का निर्णय लिया है। इसकी अनुमानित लागत राशि 25 लाख रूपये है। आप सभी से विनम्र अनुरोध है कि इस महनीय कार्य में अपने श्रम एवं अर्थ का नियोजन करें। हम 15 से 21 दिन रास्ते की सेवा का लक्ष्य भी ले रहे है। सभी संयोजक, सह-संयोजकों/सह-संयोजिकाओं, प्रभारियों/सह-प्रभारियों, आंचलिक संयोजकों/ सह-आंचलिक संयोजकों, केन्द्र व्यवस्थापक/सह-केन्द्रव्यवस्थापक/ आगम सहयोगी एवं संकाय से जुड़े सभी पदाधिकारियों से विनम्र निवेदन है कि आप अपने क्षेत्र से कार्यकर्ताओं के नाम भेजे, जो 7/10 दिन लाडनूं में एवं रास्ते की सेवा में अपना योगदान दे सके। किसी भी कार्य के संपादन में अर्थ की महत्त्वपूर्ण भूमिका होती है। आप सभी से विनम्र निवेदन है कि आप संपोषण योजना के अंतर्गत इस कार्य के लिये अर्थ सहयोग के लिये अपने-अपने क्षेत्र में प्रयास करें। आपका छोटा-सा प्रयास संकाय को स्वावलंबी बनाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

कृतज्ञता एवं आभार

1. संकाय की समस्त गतिविधियों एवं कार्यों में जैन विश्व भारती के आध्यात्मिक पर्यवेक्षक मुनिश्री कीर्तिकुमारजी का सतत् मार्ग-दर्शन मिलता रहता है, अतएव संकाय परिवार आपके प्रति हार्दिक कृतज्ञ है।
2. जैन विश्व भारती के अध्यक्ष श्रीमान अमरचन्दजी लुंकड़ एवं मंत्री श्रीमान सलिलजी लोढा का परामर्श निरन्तर प्राप्त होता रहता है। एतदर्थ आपको बहुत-बहुत साधुवाद।
3. सचिवालय से कार्यालय सचिव विजयश्री शर्मा, मुख्य लेखाकार श्रीमान दिनेश सोनी एवं लेखा विभाग सहयोगियों का भी निरन्तर सहयोग प्राप्त होता रहता है। एतदर्थ आपको बहुत-बहुत साधुवाद।
4. तकनीकी सहायता में श्रीमान उमेश सेठिया, जलगांव का सतत् सहयोग प्राप्त होता रहता है, साथ ही श्रीमान संजीव छाजेड़ अहमदाबाद और श्रीमान राजेश दूगड़ दिल्ली का भी निरन्तर सहयोग प्राप्त होता रहता है अतः आप सबको बहुत-बहुत साधुवाद।
5. संकाय कार्यालय द्वारा संचालित समस्त ऑनलाइन परीक्षायें "**संबोधि ई-लाईब्रेरी ऐप्प**" के माध्यम से होती है। जिसमें सहयोग के लिए साहित्य विभागाध्यक्ष श्रीमान विजयराज आंचलिया, चैन्नई का निरन्तर सहयोग मिलता है। आपको बहुत-बहुत साधुवाद। साहित्य

विभाग कार्यालय से प्रभारी श्रीमान मनीष भोजक, श्रीमती कुसुम सुराणा, बहादुर सिंह, अंकित पारीक व साहित्य डिजिटल विभाग से दीपक कुमार महतो, मुस्कान चौपड़ा का भी सहयोग संकाय को प्राप्त होता रहता है। उनके प्रति भी आभार।

6. संकाय कार्यालय के श्रीमती **संगीता कोठारी, तुलशीराम वर्मा, गोविन्द सिमार, पूजा शर्मा, कोमल फुलफगर, लाल सिंह धांधल** सभी निष्ठापूर्वक अपना श्रम दिन-रात दे रहे हैं तभी यह सफलता संभव है। अतः सबके प्रति आभार प्रकट करता हूँ।
7. गुरुकुलवास से श्रीमान नन्दराम सिमार का बराबर सहयोग मिलता रहता है।

विशेष ज्ञातव्य

1. इस सत्र के लिए सभी केन्द्रों के केन्द्र व्यवस्थापकों व सह-केन्द्र व्यवस्थापकों से निवेदन है कि परीक्षार्थी फार्म (आवेदन-पत्र) ऑनलाइन भरने के लिए निर्धारित तिथि का अवश्य ध्यान रखें। परीक्षार्थी अपना **Enrollment No.,** केन्द्र का नाम, अपना सही पता, स्पष्ट पिनकोड नम्बर, जन्मतिथि **(Date of Birth)** भरे साथ ही फोटो अनिवार्य रूप से लगाएं।
2. कार्यालय से प्रेषित समस्त परिपत्र, बुलेटिन या सूचना-पत्र, संकाय डिजिटल मैगजीन की फाइल अवश्य बनायें ताकि आवश्यकता होनें पर सही जानकारी प्राप्त कर सकें।
3. जैन विद्या परीक्षाओं, आगम मंथन प्रतियोगिता, सम्यक् दर्शन कार्यशाला, साहित्य मंथन प्रतियोगिता की पाठ्य पुस्तकों का ऑर्डर और पुस्तकों की राशि साहित्य विभाग, जैन विश्व भारती, लाडनूं के नाम से भेजें। अधिक जानकारी के लिए मो. **8742004849** पर सम्पर्क करें।
4. परीक्षार्थियों को किसी भी प्रकार की सूचना या जानकारी चाहिये तो अपने क्षेत्रीय केन्द्र व्यवस्थापक एवं सह-केन्द्र व्यवस्थापक से सम्पर्क करें।
5. संकाय के सभी लेन-देन ऑनलाईन होते है। अधिकारिक वेबसाईट के अलावा किसी भी व्यक्ति विशेष से लेन-देन न करें।

संकाय कार्यालय का नया पता

समण संस्कृति संकाय,
1st फ्लोर साहित्य सदनम्,
जैन विश्व भारती, लाडनूं
जिला-डीडवाना-कुचामन-341306 (राज.)

Saman Sanskriti Sankay
1st Floor Sahitya Sadnam
Jain Vishva Bharati, Ladnun
Dist. Didwana-Kuchaman-341306 (Raj.)

Mob. - 9785442373, 9694442373, 9784762373

समण संस्कृति संकाय की गतिविधियों को सुचारू रूप से चलाने में आप सभी पदाधिकारी, परीक्षार्थियों का पूर्ण सहयोग प्राप्त होता है। आप सभी के प्रति पुनः हार्दिक आभार। आशा है आप सभी का सहयोग भविष्य में भी प्राप्त होगा। इसी मंगलकामना के साथ।

''ओम अर्हम्''

मालचन्द बेगानी

विभागाध्यक्ष
समण संस्कृति संकाय
मो. 09810031623